म्हारी झोपड़ी पधारो | By Uma Lahari |

म्हारी झोपड़ी पधारो
थे पधारो म्हारा श्याम
नैना जोवे जोवे
थारी बाटडली

करमा का खिचड़ा को
भोग थे लगाया
कोई शाक विदुर
घर खाया म्हारा श्याम
नैना जोवे जोवे
थारी बाटडली

नारसी की राखी भात
नानी को भरायो
धन्ना जाट की
रुखड़ी ने तू आयो म्हारा श्याम
नैना जोवे जोवे
थारी बाटडली

डूब रया गज का
थे प्राण बचायो
कोई द्रौपदी को
चीर बढ़ायो म्हारा श्याम
नैना जोवे जोवे
थारी बाटडली

घर को तो छोड्यो
माखन गूजरी को खायो
बाई मीरा का थे
काळजे बन्या रे भरतार
नैना जोवे जोवे
थारी बाटडली

वारी वारी जाऊँ
म्हारा सांवरा बिहारी
थारा जनम जनम
गुंगावा म्हारा श्याम
नैना जोवे जोवे
थारी बाटडली

मीठी मीठी मुरली की
तान थे सुना द्यो
ओ लहरी लुद लुद
धोक लगाव म्हारा श्याम
नैना जोवे जोवे
थारी बाटडली

म्हारी झोपड़ी पधारो

थे पधारो म्हारा श्याम
नैना जोवे जोवे
थारी बाटडली

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%9d%e0%a5%8b%e0%a4%aa%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%8b-by-uma-lahari/